अत्यतं गोपनीय - के वल आतंरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिके ट परीक्षा - **2020**

अंक-योजना HISTORY

SUBJECT CODE : 027 PAPER CODE : 61/5/1

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (**×**)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देत। है।

MARKING SCHEME HISTORY-027

CLASS XII

AISSCE MARCH 2020

CODE NO. Set-61/5/1

Q.NO	अपेक्षित उत्तर / मूल्य अंक भाग--A	PAGE NO.	MARKS
1	एस.एन. रॉय (सौरींद्रनाथ रॉय)	Pg-20	1
2	शि**लालेख**: - लिखित अभिलेख पत्थर, धातु या मिटटी के कठोर सतह पर खुदे होते है जो लोगो की क्रियाकलाप उपलब्धिदियो के बारे में बताते है **प्रशस्ति** – शासकों के बारे में जानकारी रखता है। किसी के विशेषतः अपने पालक या संरक्षक के गुणों, विशेषताओं आदि की कुछ बढ़ा चढाकर की जानेवाली विस्तृत प्रसंशा	Pg-37	1
3	**A-** केवल 1 और 2	Pg-1	1
4	मातृ देवी(हड़प्पा) नेत्रहीनों के लिए: -उन्नत (Unicorn.)	Pg-23	1
5	**C-.** विद्वान (पढ़े लिखे) उस लिपि को पढ़ नहीं सके है	Pg-15	1
6	पाटलिपुत्र **अथवा** मगध	Pg-31	1
7	धम्म	Pg-32	1
8	अल-ब्रुनी ख्वारिज़म / उज़्बेकिस्तान से था और उसने अरबी भाषा में किताब-उल-हिंद लिखा था। **अथवा** मुहम्मद बिन तुगलक इब्न बतूता की विद्वता से प्रभावित था	Pg-116 Pg-118	1
9	**A-**(i-b,ii-c,iii-d, iv-a)	Pg-121, 122, 137	1
10	**A-** बड़ी आबादी, बाज़ारों और कुशल संचार	Pg-126`	1

11	**A-** कार्ल मार्क्स	Pg-132	1
12	नलयिरा दिव्य प्रबन्धनम्	Pg-144	1
13	मलिक मुहम्मद जायसी	Pg-158	1
14	आदि ग्रन्थ साहिब	Pg-161	1
15	रैदास / रविदास	Pg-165	1
16	इस्तमरारी बंदोबस्त	Pg-260/262	1
17	**A** डेविड रिकार्डो	Pg-277	1
18	**C**-1,2 और 3	Pg-319	1
19	**A-** दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है (A)	Pg-328	1
20	**A-** लॉर्ड वैलेस्ली	Pg-336	1
21	**भाग Part -B** **अभिलेख साक्ष्यों की सीमाएं** तकनीकी सीमाएँ - i. अभिलेख धूमिल उत्कीर्ण हैं और पुनर्निर्माण अनिश्चित हैं। ii. शिलालेख क्षतिग्रस्त हो सकता है या पत्र गायब हैं। iii. शिलालेख में प्रयुक्त शब्दों के सटीक अर्थ के बारे में सुनिश्चित होना हमेशा आसान नहीं होता है। iv. अभिलेख नष्ट भी हो जाते है जिनसे शब्द लुप्त हो जाते है 1 v. अभिलेखों के शब्दों का अर्थ निकाल पाना आसान नहीं 1 vi. अनेक अभिलेख कालांतर में सुरक्षित नहीं बचे। vii. कुछ अभिलेख अंश मात्र है । viii. अभिलेख केवल उन्ही लोगो के विचार व्यक्त करते है जो उन्हें बनवाते थे। ix. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किसी भी तीन बिंदुओं की व्याख्या **अथवा**	Pg-48	3

	भूमि और नदी मार्ग i. मार्गों को विभिन्न दिशाओं में बढ़ाया गया था: - मध्य एशिया, उत्तरी अफ्रीका, पश्चिम एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और चीन। ii. शासकों ने इन मार्गों को नियंत्रित करने का प्रयास किया। iii. व्यापारियों ने इन मार्गों पर यात्रा की। iv. इन मार्गों के माध्यम से माल की विस्तृत श्रृंखला को ले जाया गया। v. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किसी भी तीन बिंदुओं की व्याख्या .	Pg-44	3
22	**महानवमी डिब्बा की औपचारिक(अनुष्ठान सम्बन्धी) विशेषताएं** i. विजयनगर के राजाओं ने विभिन्न अवसरों पर अपनी प्रतिष्ठा और पराक्रम का प्रदर्शन किया। ii. राज्य के घोड़ों की पूजा। iii. जानवरों का बलिदान। iv. वहां पर नृत्य, कुश्ती जैसे खेल प्रति स्पर्धा v. घोड़ों, हाथियों, रथों, सैनिकों आदि के जुलूस vi. खुले मैदान में नायक की सेनाओं का निरीक्षण vii. राजाओं को नायक द्वारा भेंट viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या	Pg-181	3
23	**सांप्रदायिक सौहार्द को बहाल करने के लिए गांधीजी के प्रयास**		

	i. उन्होंने अपने सिद्धांतों के माध्यम से सांप्रदायिक हिंसा को रोकने की कोशिश की। ii. उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के दंगाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया। iii. उन्होंने अल्पसंख्यकों के कष्टों के प्रति अपनी चिंता दिखाई। iv. उन्होंने सभी वर्गों की समानता के लिए काम किया। v. उन्होंने दो समुदायों के बीच आपसी विश्वास और विश्वास की भावना का निर्माण करने की कोशिश की। vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या	Pg-365-395	3
24	**अंग्रेजों द्वारा अवध के विनाश के कारण** i. कपास और नील की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी। ii. अवध को ऊपरी भारत के बाजार के रूप में विकसित किया जा सकता था। iii. अवध के अधिग्रहण से क्षेत्रीय नियंत्रण की प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद थी। **अवध के उद्घोष के बहाने** i. अंग्रेज़ ऐसा मान रहे थे की क्षेत्र को गलत तरीके से संचालित किया जा रहा था। ii. गलत तरीके से माना जाता है कि वाजिद अली शाह एक अलोकप्रिय शासक थे। iii. सहायक गठबंधन। कारण का कोई एक बिंदु और बहाने के लिए दो बिंदु।	Pg-296	1+2=3

25	**सांची स्तूप का संरक्षण** i. भोपाल के शासकों (शाहजहाँ बेगम और उनके उत्तराधिकारी सुल्तान जहाँ बेगम) ने इसके संरक्षण के लिए धन प्रदान किया। ii. उसने संग्रहालय को वित्त पोषित किया। iii. उन्होंने प्राचीन स्थल के रख रखाव के लिए धन अनुदान दिया । iv. अतिथिशाला बनाने के लिए धन अनुदान दिया जहां जॉन मार्शल रहते थे और पुस्तकें लिखते थे। v. जॉन मशाल के खंडो के प्रकाशन के लिए अनुदान दिए। vi. एएसआई ने इसे बहाल करने और संरक्षित करने में भी मदद की। **अमरावती की नियति** i. स्थानीय राजा स्तूप के खंडहरों पर मंदिर बनाना चाहते थे। ii. कॉलिन मेकानाइज़ ने अमरावती पर रिपोर्ट तैयार की लेकिन कभी प्रकाशित नहीं हुई। iii. गुंटूर के आयुक्त वाल्टर इलियट, अमरावती के मद्रास में मूर्तिकला पैनल ले गए। iv. अमरावती के स्लैब को एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ बंगाल को भेजा गया था। V अनिश्चितकालीन नीति के कारण अमरावती के मूल कार्य में गिरावट आई। vi कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। दोनों में से चार बिंदुओं की व्याख्या **अथवा** **हिंदू और बौद्ध कला और मूर्तिकला** हिंदू मूर्तिकला और कला	Pg- 83,98	4+4 =8

	i. वैष्णववाद - दस अवतारों की मूर्तिकला। उदाहरण के लिए। शेषनाग के साथ पृथ्वी देवी (ऐहोल), वराह,,आदि । ii. शैव मत- लिंग में शिव की मूर्तियां iii. मानव रूप में भी शिव की मूर्तियां iv. महाबलीपुरम में दुर्गा की छवि v. मथुरा में वासुदेव-कृष्ण की मूर्ति vi. एलोरा की मूर्तियां vii. कैलाश नाथ मंदिर viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **बौद्ध कला और मूर्तिकला** i. रिक्त स्थान बुद्ध के ध्यान की दशा ii. स्तूप महानिबनना के प्रतीक iii. सारनाथ बुद्ध के पहले उपदेश का प्रतीक iv. पेड़ बुद्ध की जीवन की घटना का प्रतीक v. स्तूप के तोरण द्वार पर शैलभंजिका समृद्धि का शुभ प्रतीक vi. गजलक्ष्मी-सौभाग्य की प्रतिमा vii. वृक्ष बुद्ध के जीवन की एक घटना का प्रतीक है। viii. बुद्ध और बोधिसत्वों की छवियाँ ix. सर्प और पशु रूपांकनों x. हाथी, घोड़े, बंदर और झोपड़ी जैसे जानवरों की मूर्तियां स्तूप पर विभिन्न जातक कहानियों से समझा जा सकता है। xi. कुछ जानवरों को मानवीय विशेषताओं के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया गया था उदाहरण के लिए हाथियों को शक्ति और ज्ञान को दर्शाने के लिए चित्रित किया गया था।	Pg- 99- 106	4+4 =8

	xii. कमल और हाथियों से घिरी एक महिला की मूर्ति प्रमुख है xiii. -कुछ लोगों ने गजलक्ष्मी के रूप में पहचाना, (सौभाग्य की देवी) और कुछ के रूप में माया (बुद्ध की माँ) xiv. जातक कहानियों और बुद्ध की जीवनी के दृश्य xv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु कथन का समर्थन करने के लिए प्रत्येक का कोई चार उदाहरण		
26	**अकबर-नामा** i. अबुल फ़ज़्ल द्वारा लिखित। ii. यह पाण्डुलिपि स्रोतों, विवरण देने के पारम्परिक ऐतिहासिक दृष्टिकोण , आधिकारिक दस्तावेजों और मौखिक प्रशंसापत्रों पर आधारित है। iii. इसे तीन पुस्तकों में विभाजित किया गया है और तीसरी पुस्तक ऐन-ए-अकबरी है - मंज़िल आबादी , सिपाह आबादी और मुल्क आबादी की रचना। iv. सभी पक्षों का विवरण प्रस्तुत किया है v. यह भौगोलिक, सामाजिक, राजनीतिक, प्रशासनिक और सांस्कृतिक को बताते हुए अकबर के शासनकाल का विस्तृत विवरण प्रदान करता है। vi. अबुल फज़ल की भाषा अलंकृत थी सो इसमें कथन शैली और लय को महत्पूर्ण स्थान दिया गया vii. भाषा में भारतीय फ़ारसी शैली को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है viii. उन्होंने अकबर से जुड़े विचारों को स्पष्ट किया। ix. यह तेरह साल में लिखा गया था। x. यह हिंदू, जैन, बौद्ध और मुस्लिम जैसे साम्राज्य की विविध आबादी को दर्शाता है। xi. इसने समग्र संस्कृति को दिखाया।	Pg- 218, 230	8

	xii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही आठ बिंदुओं का वर्णन **अथवा** **मुगल दरबार की भौतिक व्यवस्था** i. राज सिंहासन व तख़्त जिसे सम्प्रभुता की तरह देखा गया , एक ऐसा स्तम्भ जिसपर धरती टिकी हुई हो। ii. छतरी शासक की कांति को सूर्य की कांति से पृथिक करने वाली मानी जाती थी। iii. राजा के लिए स्थानिक निकटता द्वारा स्थिति निर्धारित की गई थी। iv. राजा की अनुमति के बिना किसी को जाने की अनुमति नहीं थी। v. दरबार में शिष्टाचार का पालन किया जाता था। vi. दरबारी समाज में सामाजिक नियंत्रण का व्यवहार दरबार में मान्य सम्भोधन , शिष्टाचार और बोलने के नियमो द्वारा होता था । vii. आत्मनिवेदन का उच्चतम रूप सिजदा या दंडवत लेटना था । viii. दरबार में राजनियक दूतो संबधी नयाचार में ऐसी ही सुस्पष्टता थी । ix. राजा द्वारा झरोखा दर्शन एक अनुष्ठान था। झरोखा दर्शन की प्रथा थी जिसका उद्देश्य जन विश्वास के रूप में शाही सत्ता को स्वीकृति देना था x. प्राथमिक व्यवसाय दीवान-ए-आम में आयोजित किया गया और निजी चर्चाएँ दीवान-ए-ख़ास में । xi. ईद, शब-ए-बारात, होली, आदि जैसे अवसरों के दौरान दरबार जीवन से भरा था। xii. जन्मदिन के दिन, राजा को दान के लिए वस्तुओं से तौला जाता था । xiii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किन्ही आठ बिंदुओं का वर्णन	Pg-239-241	8

27	**संविधान सभा बनाने में कांग्रेस पार्टी की भूमिका** i. संविधान सभा में कांग्रेस का वर्चस्व था। ii. 82% सदस्य कांग्रेस के थे। iii. कांग्रेस के सदस्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी राय में भिन्न थे। iv. जवाहर लाल नेहरू, वल्लभ भाई पटेल और राजेंद्र प्रसाद कांग्रेस के सदस्य थे जिन्होंने संविधान सभा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। v. नेहरू ने उद्देश्य संकल्प 'और त्रि रंग राष्ट्रीय ध्वज को महत्व दिया vi. पटेल ने रिपोर्टों का मसौदा तैयार करने और विचारों में सामंजस्य स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। vii. डॉ राजेंद्र प्रसाद संविधान सभा अध्यक्ष थे। viii. डॉ बी.आर. अम्बेडकर ने मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। ix. के एम मुंशी और अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर ने महत्वपूर्ण जानकारी दी और कानून और सविंधान के प्रारूप के सुझाव दिए । x. संविधान सभा के भीतर की चर्चाएं भी जनता द्वारा व्यक्त की गई राय से प्रभावित थीं। xi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किसी भी चार बिंदुओं की व्याख्या **अथवा** **संविधान सभा में पृथक निर्वाचन का मुद्दा**	Pg- 409-425	8

		i. पृथक निर्वाचक मंडल की मांग अल्पसंख्यकों के अधिकारों को परिभाषित करने पर आधारित थी। ii. सभा ने आर्थिक रूप से कमजोर समूहों, आदिवासी समुदाय, धार्मिक समुदाय और पिछड़ी जाति वाले समूहों के संदर्भ में अल्पसंख्यक की व्याख्या की। iii. समूहों के नेताओं ने पृथक निर्वाचकों के रूप में मांगों का अनुमान लगाया। iv. इस प्रश्न पर सभा में भारी बहस हुई। v. बी.पी. बहादुर अल्पसंख्यकों के लिए अलग निर्वाचक मंडल चाहते थे। vi. एनजी रंगा ने गरीबों और दलितों के अधिकारों के लिए आग्रह किया। vii. जयपाल सिंह आदिवासियों के लिए अधिकार चाहते थे। viii. अम्बेडकर ने दलित जाति के लिए अलग निर्वाचक मंडल की मांग की। ix. जे नागप्पा ने व्यवस्थित हाशिए के बारे में चर्चा की। x. कई सदस्य जैसे सरदार पटेल, आर.वी. धुलेकर, जी.बी. पंत अलग मतदाताओं को विभाजन का कारण मानते थे और भारत की एकता के खिलाफ। xi. सरदार पटेल पृथक निर्वाचन को देश की एकता के लिए जहर के सामान मानते थे। xii. पृथिक निर्वाचन देश की एकता के लिए आत्मघातक साबित होगा। xiii. सदस्यों के अनुसार, यह खंडित निष्ठां का कारण होगा और अल्पसंख्यकों को बहुमत से अलग करेगा। xiv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु समग्रता में मूलयांकन	Pg-416-419	8

28	**Part D: स्रोत आधारित प्रश्न** **एक धनाढ्य शूद्र** **२.१ ब्राह्मण स्वयं को अन्य जाति से श्रेष्ठ क्यों मानते थे?** i. उत्तर:ब्राह्मण खुद को अन्य जाति से श्रेष्ठ मानते थे a) उनकी बुद्धि के आधार पर b) उचित रंग के आधार पर। c) शुद्धता के आधार पर d) ब्रह्मा के पुत्रों के रूप में माना जाता है e) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या (2) 28.2 **कच्छना के अनुसार एक शूद्र ने अपनी स्थिति में कैसे सुधार किया?** उत्तर:कच्छना के अनुसार, एक शूद्र अपनी स्थिति में सुधार कर सकता था a) धन के आधार पर b) आर्थिक स्थिति और गरिमा के आधार पर (2) 28.3 **वर्ण व्यवस्थाता के प्रति बौद्ध दृष्टिकोण के बारे में यह कहानी क्या बताती है?** उत्तर: वर्ण व्यवस्थाता के प्रति बौद्ध दृष्टिकोण a) जाति आधारित विचारों की अस्वीकृति b) जन्म के आधार पर श्रेष्ठता के विचारों को खारिज कर दिया। c) सामाजिक समानता के लिए अनुरोध	Pg-70	2 + 2 + 2

	d) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या (2)		= 6
29	**स्रोत आधारित प्रश्न** **भारत में चाँदी कैसे आयी** **29.1 मुग़ल साम्राज्य किस प्रकार भारी मात्रा में धन एकत्रित कर सका ?** उत्तर: मुगलों द्वारा भारी धन का संचय। a) वस्तुओं के आयात निर्यात से b) व्यापार के जीवंत माध्यम से। **c)** वस्तु संरचना और व्यापार में विस्तार के कारण। किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या **(2)** **29.2 चांदी किस प्रकार दुनियाभर में होते हुए भारत पहुंची?** **उत्तर:** चांदी दुनियाभर में होते हुए भारत पहुंची क) धातु मुद्रा की उपलब्धता। बी) खनन तकनीक का विस्तार। c) अर्थव्यवस्था में धन का परिसंचरण। d) नकदी में करों और राजस्व की निकासी। किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या **(2)** **29.3 भारत में वस्तु विनिमय किस प्रकार होता था?** a) नकद लेनदेन के माध्यम से। b) वस्तुओं के लेनदेन के माध्यम से	Pg- 217	2 + 2 + 2 = 6

	(2)		
30	**कल हम नमक कानून तोड़ेंगे** **30.1 नमक कानून के प्रति भारतीयों की प्रतिक्रियाओं की जाँच करें।** उत्तर:नमक कर कानून के प्रति भारतीयों की प्रतिक्रियाएँ। a) नमक कानून के खिलाफ व्यापक असंतोष था। b) नमक पर राज्य का एकाधिकार अलोकप्रिय था। **(2)** **30.2 गांधीजी को यह विश्वास क्यों था कि सरकार सत्याग्रहियों को गिरफ्तार नहीं करेगी?** उत्तर: गांधीजी सत्याग्रहियों की गिरफ्तारी पर भरोसा नहीं कर रहे थे a) वह अपने प्रदर्शनकारियों को शांति की सेना मानता था। b) अंग्रेजों पर दुनिया की राय का डर। (2) **30.3 दांडी मार्च के आधार की की व्याख्या कीजिये** उत्तर:दांडी मार्च का आधार a) ब्रिटिशों के सबसे व्यापक रूप से नापसंद कानून को तोड़ने के लिए। b) ब्रिटिश शासन के खिलाफ असंतोष को बढ़ाने के लिए। c) अंग्रेजों के खिलाफ राष्ट्रवादी अभियान शुरू करना। d) सभी वर्गों के समुदायों को एकजुट करने के लिए, e) स्वराज की ओर जाने के लिए। (2) किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या	Pg- 358	2+2 +2= 6
31	**31.1 & 31.2 मानचित्र पर संलग्न**		

	दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए	Pg-2	3
	31.1 हड़प्पा स्थल कालीबंगन, लोथल, नागेश्वर, धोलावीरा, राखीगढ़ी, बनवाली- (भारत) हड़प्पा, , बालाकोट, चाहूँजोदड़ो ,मोहनजोदड़ो **कोई तीन**	Pg-95	3
	अथवा		
	बौद्ध स्थल सांची, बरहुत, अजंता, नासिक, कारला, नागार्जुनकोंडा, अमरावती, बोधगया **कोई तीन**	Pg-305	3
	31.2 **विद्रोह का केंद्र 1857** दिल्ली, मेरठ, आगरा, लखनऊ, झाँसी, कानपुर, आज़मगढ़, बनारस, कलकत्ता **कोई तीन**		

प्रश्न सं. 31 के लिए मानचित्र
Map for Q. No. 31

61|5|1,2,3